

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित

परीक्षा : डिसेंबर – २०२३

सत्र ५वे

विषय: मीमांसापरिभाषा (19R435)

दिनांक: १२/१२/ २०२३	गुण : ६०	वेळ : दु. २.०० ते ४.३०	
सूचना-१. उजवीकडील अंक त्या प्रश्नाचे गुण दर्शवितात. २. सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक			
प्र.१. कयोश्चिद् द्वयोः व्याख्यानं कुरुत।		(२४)	
१. अर्थवादस्वरूपं विशदीकृत्य तद्वेदान् सोदाहरणं स्पष्टीकुरुत।			
२. ज्योतिष्टोमादीनां नामत्वप्रतिपादनं सङ्क्षेपेण कुरुत।			
३. ब्राह्मणवाक्यभेदानां सोदाहरणं निरूपणं कुरुत।			
प्र.२. त्रयाणां लघुव्याख्यानं कुरुत।		(१५)	
१. परिसंख्यायाः दोषत्रयम्।			
२. गुणकर्म।			
३. मन्त्रविचारः।			
४. प्रयोगविधिः।			
प्र.३. त्रीणि ससन्दर्भं स्पष्टयत।		(१५)	
१. प्रकरणं नाम परस्परकाङ्क्षा।			
२. सैषा शब्दीभावनापि अंशत्रयविशिष्टा।			
३. पुनरपि विधिस्त्रिविधः।			
४. उपयुक्तसंस्कारमात्रं प्रतिपत्तिः।			
प्र. ४. उचितं पर्यायं चिनुत।		(०६)	
१. वेदबोधितानिष्टसाधनताकः			
१. धर्मः	२. अधर्मः	३. यागः	४. प्रयोगः
२. मानान्तरेण प्राप्तार्थस्य पुनः श्रवणम्			
१. विनियोगः	२. अनुवादः	३. प्रयोगः	४. संवादः
३. पदान्तरसमभिव्याहारो			
१. लिङ्गम्	२. वाक्यम्	३. अनुमानम्	४. स्थानम्
४. वेदादिप्रमेयोऽर्थः			
१. त्रिविधः	२. चतुर्विधः	३. पञ्चविधः	४. द्विविधः
५. तत्र सामान्यतः कर्म			
१. द्विविधम्	२. चतुर्विधम्	३. त्रिविधम्	४. षड्विधम्
६. प्रक्षेपविशिष्टस्य यागस्य			
१. होम	२. यज्ञ	३. प्रयोग	४. दान